

आज यह पत्रावली लोक अदालत/कोर्ट में दी जायेगी
 (ध्यान दें कि यह पत्रावली की अनुसूची में उल्लिखित किया
 जायेगा) एन. नं. 1397/8-20 के अन्तर्गत 0-20 हेक्टर स्थित
 जमीन जिला (ध्यान दें) प्रतिवादी की मांग के अनुसार
 1/4 स्वयं सेवक (जिला) द्वारा घोषित किया जाने का
 अनुसूची-1 है। वादी द्वारा वादग्रस्त जमीन (खंड) नं. 1
 1667, 1668 कुश्त, (कम 12 बिल्वा व 18 बिल्वा)
 कुश्त 2 (कम 1 बीघा) 10 बिल्वा से एन. नं. 1397/8-20
 के अन्तर्गत 0-20 हे. जमीन के लिए हुए 31
 नवम्बर 1990 को जिला हेतु से वर्ष 1990 में 34
 हे. जमीन, किया है। वादी द्वारा अपने कथनों
 के माध्यम से दावा करने की सूचना में उचित उपचार
 वर्ष 1990 में पेश नहीं किया है और नहीं कि
 ऐसी सूचना में पेश किया है जिससे वादी का
 दावा कायम वादग्रस्त जमीन पर प्रभावी
 होगा। इनके विपरीत वादग्रस्त जमीन
 एन. नं. 1397/8-20 हे. में प्रतिवादी शिष्टाचार
 लिखित जाते हैं। जमीन है। जब तक कोई
 लिखित सूचना नहीं ले लिखित जाते हैं।
 के अन्तर्गत मांग की अनुधारणा की जाती है।
 अतः विवेक के माध्यम से दावा वादी (बीघा)
 किया जाने योग्य नहीं है।

अतः आदेश है कि

दावा वादी द्वारा किया जाता है।
 पत्रावली रूप में है। पत्रावली फंसक
 द्वारा लोक अदालत नं. 1397/8-20

अध्यक्ष
 लोक अदालत
 सहायक कलक्टर भरतपुर